SUKTIMAUKTIKAM

PPT-4

SUBJECT- SANSKRIT

CHAPTER NO: 5

CHAPTER NAME: SUKTIMAUKTIKAM

पञ्चमः पाठः

सूक्तिमौक्तिकम्

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

यत्रापि कुत्रापि गता भवेयु-
र्हंसा महीमण्डलमण्डनाय।
हानिस्तु तेषां हि सरोवराणां
येषां मरालैः सह विप्रयोगः।।7।।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्दार्थाः –

महीमण्डल – पृथ्वी

मण्डनाय – सुशोभित करने के लिए

गताः – चले जाने वाले

भवेयुः – होने चाहिए

मरालैः – हंसों से

हंसाः – हंस

सरोवराणां – तालाबों का

विप्रयोगः – अलग होना

हानिः – हानि

सह – साथ

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सरलार्थ: धरती को मंडित करने के लिए हंस जहाँ कहीं भी जाएं, निश्चित रूप से उन सरोवरों को तो हानि ही है, जिनका हंसो से वियोग होना हो।

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पर्यायपवानि –

पवानि पर्यायपदानि

महीमण्डल – पृथ्वीमण्डल

मण्डनाय – अलङ्करणाय

मरालैः – हंसाः

विप्रयोगः – वियोगः

सरोवराणाम् – तडागानाम्

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

गुणा गुणज्ञेषु गुणा भवन्ति
ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषाः ।
आस्वाद्यतोयाः प्रवहन्ति नद्यः
समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेयाः ।।8।।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शब्दार्था:–
गुणज्ञेषु – गुणों को जानने वालों में (गुणवान),
निर्गुणं – गुणहीन
दोषा: – दुर्गु
आस्वाद्यतोया: – स्वादयुक्त, जलवाली,
आसाद्य – प्राप्त करके
प्रवहन्ति – बहती हैं
नद्यः – नदियाँ
अपेया: – न पीने योग्य
प्राप्य – प्राप्त करके
भवन्ति – हो जाती हैं।

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सरलार्थ: गुणों को जानने वालों में गुण (values), गुण होते हैं। वे (गुण) निर्गुण को पाकर, दोष हो जाते हैं। (जैसे) स्वादिष्ट जल वाली नदियाँ बहती हैं, समुद्र में मिलकर (वही नदियाँ) अपेय (undrinkable) हो जाती हैं।

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow